

لحن يُقال في عرس قانا الجليل

Νιχωρα τηρου ἡτε Ιεριχω :
nem ἡτωου ἡτε niχωit nem
Ιλνη : αμωιπi αναυ εταινιω†
ἡψφηρι : θηετασωπι θεη ἡροπ
ἡτΚανα ἡτε †Γαλιλεα.

ني خورا تيرو إنتيه يه ريكو: نيم إبطوو
إنتيه ني جو إيت نيم يه روساليم:
آمويني آناف إيه طاي نيشتي إن
إشفيري: ئي إيه طاس شوبي خين
إهبوب إن إيتكانا إنتيه تي جالييه آ.

يا كل كور أريحا و جبل الزيتون و أورشليم تعالوا انظروا هذه الأعجوبة العظيمة التي صارت في
عرس قانا الجليل.